राजधानी में दो साल बाद 24 घंटे जल आपूर्ति

शशिभूषण कुंवर ■ पटना

दो साल बाद राजधानी में पानी की किल्लत नहीं होगी. 24 घंटे पानी उपलब्ध होगा. सरकार ने 2041 में राजधानी की आबादी को ध्यान में रख कर पेयजल की महत्वाकांक्षी योजना बनायी है. सभी वार्डों में जलाापूर्ति के लिए 72 जलमीनार बनाने की योजना बनी है. इस पर 548 करोड़ खर्च किये जायेंगे. जलमीनारों के लिए जगह की खोज शुरू हो गयी है. 32 जगहों पर नगर निगम की जमीन चिह्नित की गयी है. शेष के लिए आवास बोर्ड एवं अन्य की जमीन तलाशी जा रही है. यह योजना 2014 तक पूर्ण होगी. योजना की डीपीआर तैयार कर ली गयी है. पटना के करीब 17 लाख घरों में मीटर आधारित शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जायेगी.

इसके तहत हर दिन 135 लीटर प्रति घर के अनुसार जलापूर्ति की जायेगी. जलापूर्ति पर 476 करोड़ रुपये व 10 वर्षों के रखरखाव पर 72 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. यह योजना पहली अप्रैल, 2014 तक पूरी कर ली जायेगी.

पटना वाटर सप्लाइ प्रोजेक्ट (अंचलवार वितरण)

नगर विकास विभाग द्वारा जलापूर्ति के लिए जो डीपीआर दी गयी थी,उसे अमल में लाने की पहल हो चुकी है. कंपनी द्वारा स्थल निरीक्षण किया जा रहा है. पटना नगर निगम से 32 स्थलों के लिए एनओसी लिया जा रहा है. आवास बोर्ड द्वारा 10 स्थलों का एनओसी दिया जा चुका है.'

अनुपम कुमार सुमन, एमडी, बुडको

64090	45369	668462
मीटर मेन पाइप लाइन की लंबाई	मीटर डीआइ पाइप लाइन	मीटर एचडीपीइ पाइप लाइन
786233	786233	45369
मीटर जल वितरणी की लंबाई	मीटर जल वितरण प्रणाली की लबाई	मीटर डीआइ पाइप लाइन की लंबाई

72 जलमीनारों से होगी पेयजल आपूर्ति

01	22	28	17	01	03
आठ लाख लीटर क्षमतावाली	10 लाख लीटर क्षमतावाली	12 लाख लीटर क्षमतावाली	15 लाख लीटर क्षमतावाली	20 लाख लीटर क्षमतावाली	26 लाख लीटर क्षमतावाली

हावड़ा-दिल्ली रेल लाइन के उत्तरी भाग में गंगा जल की आपूर्ति

योजना के अंतर्गत शहर को दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेलमार्ग के आधार पर दो भागों में बांटा जायेगा. उत्तरी भाग के 47 वार्डों में ट्रीटमेंट के बाद गंगा जल की आपूर्ति होगी. यह प्रतिदिन 220 एमएलडी होगी. इसके लिए दीघा में एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनेगा. शहर के दक्षिणी **शेष पेज 19 पर**